874/864

दैनिक जागरण
जागरण सिटी
पृ० IV
08-05-2014

करें खेतों की गहरी जुताई

मौसम को ध्यान में रखते हुए पूसा स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिकों ने सलाह दी है कि रबी फसल की कटाई के बाद खेतों की गहरी जुताई करें। इसके बाद उन्हें खुला छोड़ दें, ताकि तेज धूप से खेतों में छिपे कीड़ों के अंडे तथा घास के बीज नष्ट हो जाएं। इस मौसम में मिट्टी की जांच किसी मानक संस्था से कराएं। संभव हो तो खेत का समतलीकरण भी कराएं।

बेल वाली फसलों में न्यूनतम नमी बनाए रखें अन्यथा परागण पर असर पड़ेगा और उत्पादन कम होगा। सब्जियों में सुबह-शाम हल्की सिंचाई करते रहें।

ग्वार, मक्का, बाजरा, लोबिया आदि चारा फसलों की बुवाई इस सप्ताह की जा सकती है। इसके लिए खेतों में पर्याप्त नमी का होना जरूरी है। बीजों को तीन से चार सेंटीमीटर गहराई पर डालें और पंक्तियों की दूरी 25 से 30 सेंटीमीटर रखें। ग्रीष्मकालीन हरी खाद के लिए सनई, ढैंचा आदि की बुवाई इस समय की जा सकती है। सनई की बीज दर 60 से 70 व ढैंचा की 50 से 60 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर है। अच्छे अंकुरण के लिए खेत में पर्याप्त नमी का होना जरूरी है।

भिंडी की तुड़ाई के बाद यूरिया की पांच से दस किलोग्राम मात्रा प्रति एकड़ की दर से खेत में डालें और माइट कीट की निगरानी करें। अधिक कीट होने पर ईथियान की डेढ़ से दो मिलीलीटर की मात्रा को एक लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।

बैंगन व टमाटर की फसल को प्ररोह व फलछेदक कीट से बचाने के लिए ग्रसित फलों तथा प्ररोहों को नष्ट कर दें। यदि कीटों की संख्या अधिक हो तो स्पिनोसेड कीटनाशी 48 ईसी की एक मिलीलीटर मात्रा को चार लीटर पानी के साथ मिलाकर छिड़काव करें।

प्याज व लहसुन की फसल की खुदाई से एक सप्ताह पहले हल्की सिंचाई जरूर करें।

अनाज को रखने से पहले भंडार घर की अच्छी तरह सफाई करें। भंडार घर की छत दीवारों व फर्श पर एक भाग मैलाथियान 50 ईसी का सौ भाग पानी के साथ दीवारों व फर्श पर छिड़काव करें। पुरानी बोरियों को प्रयोग करने से पहले मैलाथियान के घोल में दस मिनट तक रखकर छायादार स्थान में सुखाएं। कूड़े को जलाकर या जमीन में दबाकर नष्ट कर दें।

प्रभारी
8/5/2014

प्रतिलिपि:-
1. निदेशक कार्यालय
2. संयुक्त निदेशक (प्रसार)
3. अधिष्ठाता/संयुक्त निदेशक (शिक्षा)

कृते प्रभारी पत्रिका एवं समाचार पत्र अनुभाग

No. 14. Ahmu/2014/79
9/5/14

अपलोड करें।
9.5.14